Literacy for a Billion

Movie: Aaye Din Bahar Ke
Year: 1966

Song: Mere Dushman Tu Meri
Lyricist: Anand Bakshi

मेरे दिल से सितमगर
तूने अच्छी दिल्लगी की है
कि बनके दोस्त
अपने दोस्तों से
दुश्मनी की है ...

मेरे दुश्मन तू मेरी
दोस्ती को तरसे ...
मेरे दुश्मन तू मेरी
दोस्ती को तरसे
मुझे ग़म देने वाले
तू खुशी को तरसे
मेरे दुश्मन

तू फूल बने पतझड़ का
तुझपे बहार ना आए कभी
मेरी ही तरह तू तड़पे
तुझको क़रार ना आए कभी
तुझको क़रार ना आए कभी

जीए तू इस तरह के
ज़िन्दगी को तरसे

मेरे दुश्मन तू मेरी
दोस्ती को तरसे
मेरे दुश्मन
इतना तो असर कर जाएँ

मेरी वफ़ाएँ ओ बेवफ़ा
इक रोज़ तुझे याद आएँ
अपनी जफ़ाएँ ओ बेवफ़ा
अपनी जफ़ाएँ ओ बेवफ़ा

पशेमाँ होके रोए
तू हँसी को तरसे

मेरे दुश्मन तू मेरी
दोस्ती को तरसे
मेरे दुश्मन

तेरे गुलशन से ज़्यादा
वीरान कोई वीराना ना हो
इस दुनिया में कोई तेरा
अपना तो क्या बेगाना न हो
अपना तो क्या बेगाना न हो

किसी का प्यार क्या तू
बेरुख़ी को तरसे ...

मेरे दुश्मन तू मेरी
दोस्ती को तरसे

मुझे ग़म देने वाले
तू खुशी को तरसे
मेरे दुश्मन

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.